विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर०एल० भाटिया) : (क) ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है । (**नीचे** देखिए) ।

(ख) विचाराधीन आवेदकों की संख्या 2230 है;

(ग) 31 दिसम्बर, 1993 की स्थिति के अनुसार सौराष्ट्र क्षेत्र से प्राप्त नए पासपोर्ट आवेदनों की संख्या 80182 थी ।

(घ) सौराष्ट्र क्षेत्र में एक अलग से पासपोर्ट कार्यालय खोलने का अभी प्रस्ताव नहीं है ।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता ।

विवरण

	1991*	1992*	1993
प्राप्त आवेदनों की संख्या			
राजकोट	4940	5333	5072
जामनगर	5700	5551	4522
जूनागढ़/पोरबंदर	7374	6322	5781
पोरबन्दर			
सुरेन्द्र नगर	372	392	545
भावनगर	1967	1943	460
अमरेली	770	749	1452
कच्छ/भुज	7627	7162	6562
योग :	28750	27452	23980
जारी पासपोर्टों की संख्या			
	*लागू नहीं	*लागू नहीं	21750

*इस प्रकार जिले-वार सूचना नहीं रखी गई थी ।

संयुक्त राष्ट्र संघ का पुनर्गठन किये जाने के गुट-निरपेक्ष आंदोलन के प्रस्ताव पर भारत का दृष्टिकोण

2076. **श्री के० एम० खान** : क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को गुट-निरपेक्ष देशों के विदेश-मंत्रियों द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ का पुनर्गठन किये जाने की मांग विषयक प्रस्ताव की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ग) क्या इस तरह के प्रस्ताव से विश्व के विकासशील देशों में शांति और समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा ;

(घ) क्या सरकार विश्व के विकासशील देशों में अग्रणी होने के नाते इस संबंध में कोई पहल करने का विचार रखती है ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर०एल० भाटिया) : (क) से (ङ) एक लंबे समय से गुटनिरपेक्ष आन्दोलन यह मानता आया है कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार होने चाहिए । संयुक्त राष्ट्र में सुधारों के प्रति गुटनिरपेक्ष देशों के बीच एक आमराय कायम करने में भारत ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । जो विकासशील देशों में शांति और उनकी समृद्धि को सुदृढ़ करेगा । भारत अन्य विकासशील देशों के साथ न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र में सुधारों पर विचार विमर्श में लगा हुआ है।